# मनसा सेवा - 21

➢➢ ज्ञान का पुण्य / भक्ति का पुण्य

➳ _ ➳ अविनाशी ज्ञान धन का दान करना

→ स्थूल दान करना

➳ _ ➳ ज्ञान भोजन

→ स्थूल भोजन

➳ _ ➳ परमात्म संग / ब्राह्मणों का संग / मुरली सुनना / भट्टी करना / शिविर करना

→ सत्संग

➳ _ ➳ मुरली सुनाना

→ कथा सुनाना

➳ _ ➳ आत्मा की अखंड ज्योति

→ दिए की अखंड ज्योति

➳ _ ➳ यग्य में समर्पण

→ शादियों में ज्ञान दान

➳ _ ➳ विकारों का उपवास

→ भोजन का उपवास

➳ _ ➳ मैं पन की बलि चदाना

→ जानवरों की बलि

➳ _ ➳ अध्यात्मिक गरीबों की सेवा

→ स्थूल धन से गरीबों की सेवा

➳ _ ➳ बिछड़े बाप से मिलाना / वानप्रस्थ आत्माओ की सेवा

→ अनाथ आश्रम / वृद्धा आश्रम / विकलांगो की स्थूल सेवा

➳ _ ➳ आत्माओं का परमात्मा से मिलन करवाना

→ कन्याओं की शादी करवाना

➳ _ ➳ सेण्टर / मधुबन पर जाना / ले आना

→ तीर्थ यात्रा करना / कराना

➳ _ ➳ मानसिक रोगों / विकारों से मुक्त करवाना

→ शारीरिक रोगों से मुक्त करवाना

➳ _ ➳ सेण्टर बनाना

→ हॉस्पिटल बनाना

➳ _ ➳ रूहानी मां बाप की सेवा करना

→ जिस्मानी मां बाप की सेवा करना

---

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 16 & 17 Of Mansa Sewa Book

---